भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 619

25 जुलाई, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

एम्प्लीफाई 2.0 और स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0

619. **श्री शंकर लालवानीः**
डॉ. जयंत कुमार रायः
श्री कृपानाय मल्लाहः
डॉ. प्रदीप कुमार पाणिग्रहीः
श्री बाल्या मामा सुरेश गोपीनाथ म्हात्रेः
श्री राजेशभाई नारणभाई चुड़ासमाः
श्रीमती स्मिता उदय वाघः
श्री विजय कुमार दूबेः
श्री प्रदीप पुरोहितः
श्री अनिल फिरोजियाः
डॉ. आलोक कुमार सुमनः
श्री विष्णु दयाल रामः
श्रीमती कृति देवी देबबर्मनः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) रहने योग्य, समावेशी और भविष्य के लिए तैयार शहरी भारत के लिए आकलन और निगरानी मंच (एम्प्लीफाई 2.0) पोर्टल का ब्यौरा क्या है और परियोजना के लक्ष्य और उद्देश्य क्या-क्या हैं;

(ख) इस पोर्टल में कितने शहरों को शामिल किया गया है और वे कौन-कौन से हैं;

(ग) स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 का ब्यौरा क्या है; और

(घ) इस योजना के कार्यान्वयन हेतु प्रौद्योगिकी के उपयोग का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) रहने योग्य, समावेशी और भावी शहरी भारत(एएमपीएलआईएफआई) साक्ष्य आधारित निर्णय लेने के लिए आंकड़ों के संग्रह व एकत्रीकरण शहरी डेटा तक पहुंच को सक्षम बनाने के लिए एक केंद्रीकृत मंच के रूप में कार्य करता है। इसके अलावा, यह सरकार, नागरिकों,

अकादमियों और उद्योग के लिए अनुसंधान, विश्लेषण और डेटा-संचालित नीति निर्माण की सुविधा प्रदान करता है। एएमपीएलआईएफआई 2.0 प्लेटफॉर्म अर्थात् जनसांख्यिकी, अर्थव्यवस्था, शिक्षा, ऊर्जा, पर्यावरण, वित्त, शासन और सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी (आईसीटी), स्वास्थ्य, आवास, मोबिलिटी, योजना, सुरक्षा और संरक्षा, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) और जल और स्वच्छता में 14 क्षेत्रों में 440 डेटा बिंदु शामिल हैं।

(ख) वर्तमान में, एम्प्लीफाई 2.0 के तहत 250 शहरों को जोड़ा गया है।

(ग) स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0, 1 अक्टूबर, 2021 को शुरू किया गया जिसका उद्देश्य ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), पुराने डंपसाइटों के निपटान, निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट और प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन आदि के माध्यम से अगले पांच वर्षों में 'कचरा मुक्त शहरों' की परिकल्पना को साकार करना है। एसबीएम-यू 2.0 का ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) घटक सामग्री पुनर्प्राप्ति सुविधाएं (एमआरएफ), ट्रांसफर स्टेशन, खाद संयंत्र, जैव-मेथेनेशन संयंत्र, रिफ्युज्ड डेराइव्ड फ्यूल(आरडीएफ) प्रोसेसिंग सुविधाएं, प्लास्टिक अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाएं, कचरे से बिजली संयंत्र, निर्माण और विध्वंस (सी एंड डी) अपशिष्ट संयंत्र, सैनिटरी लैंडफिल, मशीनीकृत स्वीपिंग उपकरण और सभी शहरी स्थानीय निकायों में सभी पुराने डंपसाइटों की जैव-निपटान/कैपिंग जैसी सुविधाओं को स्थापित करने में सहायता प्रदान करता है।

(घ) स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 पूरे शहरी भारत में स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है। स्वच्छ भारत मिशन शहरी घटकों की प्रगति की निगरानी के लिए डिजिटल उपकरणों और समाधानों का उपयोग किया जाता है। एसबीएम-यू 2.0घटक की संकल्पना,कार्यान्वयन से रखरखाव तक इसकी सम्पूर्ण अवधि के विभिन्न चरणों में डिजिटल उपायों की पहचान की जाती है। इसके दिशा-निर्देशों में अनुसंधान एवं डिजाइन(आरएनडी) और गवर्नमेंट-ई-मार्केट (जेम) में सुविधा के माध्यम से स्वच्छता और ठोस अपशिष्ट के संबंध में स्थानीय स्तर पर नई पद्धतियों,किफायती प्रौद्योगिकी समाधानों और कारोबारी मॉडलों के अंगीकरण को प्रोत्साहित किया जाता है।

******